BPSE 146

संघर्ष समाधान और शांति स्थापना

Important Questions for December 2024 Examination

Must Watch to Score Good Marks

PART-1

Scholarly Minds

1. अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष में विभिन्न प्रकार के खतरों पर चर्चा कीजिए।

उत्तर:
अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष में कई प्रकार के खतरें हो सकते हैं, जो वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा को प्रभावित करते हैं:

- **सैन्य खतरे (Military Threats)**: सैन्य संघर्षों में युद्ध, सीमाओं पर आक्रमण, या क्षेत्रीय सुरक्षा उल्लंघन शामिल हैं। यह अत्यधिक विनाशकारी हो सकते हैं, जैसे विश्व युद्धों के उदाहरण, या सीमित युद्ध, जैसे 1990 में खाड़ी युद्ध।
- **आर्थिक खतरे (Economic Threats)**: यह वह खतरें होते हैं जब दो या दो से अधिक देशों के बीच व्यापार नीतियों या आर्थिक प्रतिबंधों के कारण संघर्ष उत्पन्न होते हैं। उदाहरण स्वरूप, अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध, या रूस पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकते हैं।
- **राजनैतिक खतरे (Political Threats)**: यह खतरे तब उत्पन्न होते हैं जब देशों के बीच राजनैतिक टकराव या विवाद होते हैं। यह संघर्ष सीमा विवादों, शासन परिवर्तन के प्रयासों, या अन्य राज्यों में हस्तक्षेप के रूप में हो सकते हैं। उदाहरण के रूप में, सीरिया का गृह युद्ध और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा उसमें हस्तक्षेप।
- **पर्यावरणीय खतरे (Environmental Threats)**: जलवायु परिवर्तन, पर्यावरणीय संकट, या प्राकृतिक संसाधनों की कमी से संबंधित संघर्ष होते हैं। जैसे जल संकट या वन्यजीव संरक्षण को लेकर विभिन्न देशों के बीच विवाद।
- **सांस्कृतिक और धार्मिक खतरे (Cultural and Religious Threats)**: ये संघर्ष तब उत्पन्न होते हैं जब विभिन्न राष्ट्रों या समूहों के बीच धार्मिक, जातीय या सांस्कृतिक असहमति होती है। उदाहरण के रूप में, भारतीय उपमहाद्वीप में हिंदू-मुसलमान संघर्ष या मध्यपूर्व में विभिन्न धार्मिक समुदायों के बीच संघर्ष।

2. मास मीडिया के महत्व और संघर्ष समाधान में इसकी भूमिका की व्याख्या कीजिए।

उत्तर:
मास मीडिया का संघर्ष समाधान में महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि यह समाज में शांति और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करता है:

- **जानकारी का प्रसार**: मीडिया युद्ध या संघर्ष की स्थिति के बारे में विश्वभर में जानकारी फैलाने का सबसे प्रभावी तरीका है। यह न केवल सरकारों और संगठन को जागरूक करता है, बल्कि आम जनता में भी संघर्षों के बारे में जागरूकता पैदा करता है। उदाहरण स्वरूप, बीबीसी और अल-जजीरा जैसी मीडिया कंपनियां वैश्विक संघर्षों पर समाचार प्रसारित करती हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में प्रतिक्रिया उत्पन्न होती है।
- **जनता का दबाव (Public Pressure)**: मीडिया सरकारों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों पर दबाव बना सकता है कि वे संघर्षों का शांतिपूर्ण समाधान खोजें। मीडिया के द्वारा जब जन-प्रेरणा बढ़ती है, तो सत्ता में बैठे लोग इस दबाव को महसूस करते हैं और कभी-कभी संघर्षों को हल करने के लिए कदम उठाते हैं। उदाहरण के लिए, मीडिया ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के दौरान अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित किया।
- **शांति निर्माण (Peacebuilding)**: मीडिया का एक प्रमुख कार्य शांति निर्माण है। यह सकारात्मक संदेशों, शांति पर आधारित कार्यक्रमों, और मध्यस्थता से संबंधित पहलुओं को फैलाने में मदद करता है। संघर्षों के बाद, मीडिया राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय शांति पहल और पुनर्निर्माण परियोजनाओं को प्रोत्साहित कर सकता है। उदाहरण के तौर पर, दक्षिण अफ्रीका में अपार्थेड के बाद मीडिया ने शांति और सामूहिक समायोजन को बढ़ावा दिया।
- **साक्षात्कार और संवाद (Dialogue and Mediation)**: मीडिया एक मंच प्रदान करता है जहां विभिन्न पक्षों के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ संघर्ष समाधान पर चर्चा कर सकते हैं। यह एक शांति वार्ता का आधार बन सकता है, जैसे शांति समझौतों के दौरान मीडिया का रोल होता है। इसके माध्यम से विभिन्न विचारों को साझा किया जाता है, जो समझौते और सहमति की दिशा में मदद करता है।

3. संघर्ष की परिभाषा का परीक्षण कीजिए।

उत्तर:
संघर्ष एक ऐसी स्थिति है जिसमें दो या दो से अधिक पक्ष, समूह, या देश एक दूसरे के खिलाफ अपने लक्ष्यों या मूल्य प्रणाली के संदर्भ में असहमत होते हैं, और इस असहमति के कारण हिंसा या प्रतिस्पर्धा उत्पन्न होती है। संघर्ष एक गतिशील प्रक्रिया है और यह केवल शारीरिक युद्ध तक सीमित नहीं होता। यह मानसिक, सामाजिक, या राजनीतिक स्तर पर भी हो सकता है।

- **संघर्ष के प्रकार**:
  - **सैन्य संघर्ष (Military Conflict)**: यह सैन्य ताकत के प्रयोग के रूप में प्रकट होता है।

Scholarly Minds

- **राजनीतिक संघर्ष (Political Conflict)**: यह तब होता है जब दो समूह सत्ता या शासन प्रणाली के मुद्दों पर असहमत होते हैं।
- **सांस्कृतिक संघर्ष (Cultural Conflict)**: यह तब उत्पन्न होता है जब विभिन्न संस्कृतियाँ आपस में टकराती हैं, जैसे धार्मिक विचारधाराओं के बीच संघर्ष।
- **आर्थिक संघर्ष (Economic Conflict)**: यह संसाधनों, संपत्ति, या धन के वितरण में असहमति से जुड़ा होता है।

संघर्ष का समाधान हमेशा असहमति को शांति से सुलझाने या एक समन्वयपूर्ण मार्ग निकालने के रूप में देखा जाता है, लेकिन इसका गहरा प्रभाव समाज और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर पड़ता है।

4. हिंसक और अहिंसक संघर्षों के बीच अंतर कीजिए।

उत्तर:
हिंसक और अहिंसक संघर्षों में प्रमुख अंतर उनकी प्रकृति और समाधान के तरीके में होता है:

- **हिंसक संघर्ष (Violent Conflict)**:
  - यह संघर्षों की ऐसी श्रेणी है जिसमें शारीरिक हिंसा, युद्ध, आतंकवाद, या अन्य प्रकार के बल का प्रयोग होता है।
  - इसमें आमतौर पर जान-माल का नुकसान होता है, और यह समाज पर गहरे नकारात्मक प्रभाव डालता है।
  - उदाहरण के तौर पर, सीरिया का गृह युद्ध, इराक युद्ध, या अफगानिस्तान संघर्ष।
  - हिंसा के कारण सामाजिक ताना-बाना टूट सकता है और मानवीय संकट उत्पन्न हो सकता है।
- **अहिंसक संघर्ष (Non-Violent Conflict)**:
  - यह संघर्ष हिंसा के बिना, मुख्यतः शांतिपूर्ण तरीके से किया जाता है। इसमें प्रदर्शन, हड़ताल, जन आंदोलन, या विचारों का विरोध शामिल होता है।
  - अहिंसक संघर्ष का लक्ष्य आमतौर पर सत्ता में परिवर्तन, समान अधिकार या अन्य सामाजिक-राजनीतिक परिवर्तन होता है।
  - उदाहरण के लिए, महात्मा गांधी का भारतीय स्वतंत्रता संग्राम, दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला का अहिंसक विरोध आंदोलन।
  - अहिंसक संघर्ष अधिक स्थायी समाधान प्रदान कर सकते हैं और इससे समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है, क्योंकि यह प्रतिशोध और हिंसा को नहीं बढ़ावा देता।

मुख्य अंतर:

- हिंसक संघर्षों में बल का प्रयोग होता है, जबकि अहिंसक संघर्षों में शांति, संवाद, और सहमति के रास्ते अपनाए जाते हैं।
- हिंसक संघर्षों का परिणाम अक्सर विनाशकारी होता है, जबकि अहिंसक संघर्षों का परिणाम लंबे समय में शांति और समृद्धि में बदल सकता है।

Scholarly Minds

PDF IS ON MY WEBSITE hindustanknowledge.com

WATCH PART 2 AND 3 FOR MORE QUESTIONS

Scholarly Minds